इकाई - 2   Date - 04.06.2020

Topic - गणित के संदर्भ मे सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की विधियां।

Ans → सतत और व्यापक मूल्यांकन की कुछ प्रमुख विधियां निम्न है-

(1) परीक्षा प्रविधि → परीक्षा प्रविधि मे मौखिक एवं लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षाएं ली जाती है। लिखित परीक्षा मे वस्तुनिष्ठ तथा निबंधात्मक दो परीक्षाएं होती है।

(2) अभिवृत्ति मापनी → इस प्रविधि मे किसी कार्य के संबंध मे कथनों या विचारो का संग्रह होता है। उसमे से उत्तरदाता जिससे सहमत होता है उस पर सही का चिन्ह लगा देता है। अभिवृत्ति मापनी द्वारा एक या अधिक से व्यक्तियो की धारणा की मात्रा अथवा अभिवृत्ति ज्ञात की जाती है।

(3) अवलोकन → विशिष्ट लक्षणो के संदर्भ मे किसी भी घटना या कार्य को ध्यान से देखना ही अवलोकन कहलाता है। अवलोकन के द्वारा छात्रो की बौद्धिक परिपक्वता तथा उनके सामाजिक और संवेगात्मक विकास की परख की जाती है, जिससे छात्रो मे विकसित आदतो तथा अन्य कौशलो की जानकारी प्राप्त हो जाती है।

(4) क्रम निर्धारण मान → क्रम निर्धारण मान एक छात्र के अंदर किसी गुण अथवा योग्यता के विकास की मात्रा का पता लगाया जाता है। इस स्कैल के कुछ मानदंड दिए रहते है जिनके आधार पर रेटिंग की जाती है।

(5) छात्रो द्वारा उत्पादित वस्तुएँ → छात्रो द्वारा उत्पादित वस्तुओ से अभिप्राय उन वस्तुओ से है जिन्हे छात्र स्वयं तैयार करते है जैसे - चित्र, मानचित्र, प्रतिरुप आदि। छात्रो द्वारा निर्मित वस्तुओ से उनकी रुचि, अभिरुचि, योग्यता तथा कुशलता की जाँच की जाती है।

(6) पड़ताल सूचियाँ → पड़ताल सूचिया व्यक्तिगत सूचना तथा विचार जानने का प्रमुख साधन है। राइटस्टोन के अनुसार "पड़ताल सूची जैसा कि उसके नाम से स्पष्ट है कुछ चयनित शब्दो, वाक्यांशो, तथा वाक्य अनुच्छेदो की एक सूची होती है जिसके आगे निरीक्षक सही का चिन्ह अंकित कर देता है जो कि निरीक्षक की उपस्थिति तथा अनुपस्थिति का सूचक होती है।

(7) अनुसूची → ~~[illegible]~~ इस विधि द्वारा सर्वेक्षणकर्ता स्वयं अपने अध्ययन क्षेत्र मे जाकर निर्धारित व्यक्तियो से प्रश्न पूछता है तथा अनुसूची तैयार करता है।

Next class

Scanned with CamScan